A–0183

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

MASL–507

M.A. Sanskrit (MASL)

(भारतीय दर्शन भाग–02)

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :— यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट :— खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. चार्वाक मत में तत्त्वमीमांसा की समीक्षा कीजिए।
2. जैन दर्शन के अनुसार प्रमाणों का वर्णन कीजिए।
3. न्याय दर्शन के पञ्चावयवों का वर्णन कीजिए।
4. न्याय दर्शन की दृष्टि से हेत्त्वाभासों की समीक्षा कीजिए।
5. तर्क भाषा के अनुसार प्रमेयों का वर्णन कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट :— खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. स्याद्वाद की विवेचना कीजिए।
2. चार्वाक के आत्मा सम्बन्धी विचार की समीक्षा कीजिए।
3. तर्कभाशा के अनुसार प्रमा की विवेचना कीजिए।
4. शब्द प्रमाण को प्रतिपादित कीजिए।
5. आत्मा सम्बन्धी नैयायिक अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।
6. तर्कभाषा के अनुसार त्रिविध हेतुओं का वर्णन कीजिए।
7. न्याय मत में व्याप्ति को प्रतिपादित कीजिए।
8. चार्वाक दृष्टि से ईश्वर की अवधारणा पर विचार कीजिए।

****